3

शब्द-विचार
(Morphology)

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए–

(क)	(ख)
(क) मैं चाय नहीं पीता।	मैं चाय-वाय नहीं पीता।
(ख) राम को अभी खाना नहीं चाहिए।	राम को अभी खाना-वाना नहीं चाहिए।
(ग) आप सब्ज़ी ले जाइए।	आप सब्ज़ी-वब्ज़ी ले जाइए।

उपर्युक्त वाक्यों में आए रंगीन शब्दों वाय, वाना एवं वब्ज़ी का अपना कोई अर्थ नहीं है, पर दूसरे शब्दों के साथ जुड़कर ये उसके अर्थ में सहयोग देते हैं, जैसे–

1. **चाय-वाय–**'वाय' का कुछ अर्थ नहीं है, किंतु चाय के साथ जुड़कर उसका अर्थ निकलता है–चाय के साथ खाई जाने वाली चीज़ें, जैसे–बिस्कुट, नमकीन आदि।
2. **खाना-वाना–**इसी प्रकार 'वाना' का कोई अपना अर्थ नहीं है, किंतु इसका प्रयोग खाने के साथ मिलकर अचार, सलाद, दही आदि साथ में खाई जाने वाली चीज़ों के लिए हुआ है।
3. **सब्ज़ी-वब्ज़ी–**'वब्ज़ी' निरर्थक शब्द है, किंतु यहाँ वब्ज़ी का अर्थ है– सब्ज़ी के साथ प्रयोग होने वाला मसाला, जैसे–हरी मिर्च, हरा धनिया, अदरक, लहसुन इत्यादि।

इस प्रकार प्रत्येक शब्द का अपना एक अर्थ होता है, किंतु वाक्य में कभी-कभी निरर्थक शब्द सार्थक शब्दों के साथ जुड़कर एक विशेष अर्थ देते हैं। इसके अलावा शब्द भाषा की स्वतंत्र इकाई है।

शब्द

वर्णों का ऐसा क्रम, जिसका कोई अर्थ हो तथा जो स्वतंत्र हो, शब्द कहलाता है।

जैसे–बालिका, पुस्तक, कपड़े, सिलाई आदि।

पद

जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है, तो 'पद' कहलाता है।

जैसे – बालिका ने कपड़े सिले । इसमें प्रयुक्त सभी शब्द–बालिका, कपड़े, सिले, पद कहलाएँगे ।

Scanned with CamScanner

शब्दों का वर्गीकरण

शब्द

- स्रोत के आधार पर
- रचना के आधार पर
- प्रयोग के आधार पर
- व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर
- अर्थ के आधार पर

1. स्रोत के आधार पर

स्रोत के आधार पर

- तत्सम शब्द
- तद्भव शब्द
- देशज शब्द
- विदेशी शब्द

तत्सम व तद्भव शब्द

तत्सम	तद्भव
कोकिल	कोयल
कुंभकार	कुम्हार
आम्र	आम
क्षेत्र	खेत
ज्येष्ठ	जेठ
भ्रमर	भँवरा

तत्सम	तद्भव
अग्नि	आग
दधि	दही
नृत्य	नाच
दंत	दाँत
निद्रा	नींद
दिवस	दिन

(*i*) **तत्सम (संस्कृत शब्द)–** संस्कृत भाषा के वे शब्द, जो बिना किसी परिवर्तन के हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे– ग्राम, कर्म, नव।

(*ii*) **तद्भव (बदला हुआ रूप)–** समय के साथ-साथ संस्कृत भाषा के वे शब्द, जो थोड़े-बहुत बदलकर हिंदी भाषा में प्रयोग में लाए गए, उन्हें तद्भव कहा जाता है। जैसे– गाँव, काम, नया।

(*iii*) **देशज शब्द–**वे शब्द, जो देश में प्रचलित लोकभाषाओं व बोलियों के हैं, पर समय के साथ हिंदी भाषा में घुल-मिल गए हैं, देशज शब्द कहलाते हैं। ये शब्द न तो संस्कृत भाषा के हैं और

Scanned with CamScanner

ये ही संस्कृत शब्दों के परिवर्तित रूप हैं, पर इनका हिंदी में प्रयोग किया जाता है। जैसे– पगड़ी, झुग्गी, लकड़ी, थैला आदि।

(iv) **विदेशी शब्द**– वे शब्द, जो विदेशी भाषाओं, अरबी, फ़ारसी, तुर्की, पुर्तगाली, अंग्रेज़ी, फ्रेंच, चीनी आदि के हैं, पर हिंदी भाषा में भी उनका प्रयोग हो रहा है, विदेशी शब्द कहलाते हैं। जैसे–

अरबी– औरत, अमीर, आज़ाद, अखबार

फ़ारसी– दुकान, लेकिन, सरदार, आराम

तुर्की– बेगम, कुली, चाकू, कैंची

चीनी– चाय, लीची

अंग्रेज़ी– कॉलेज, टिकट, रेल, रेडियो

2. रचना के आधार पर

रचना के आधार पर शब्दों के भेद इस प्रकार हैं–

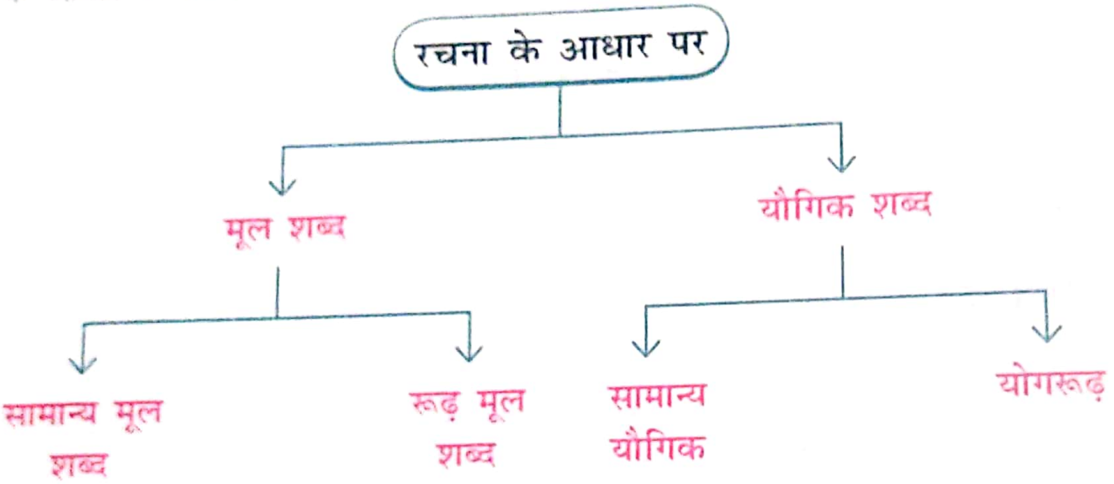

मूल शब्द– प्रत्येक मूल शब्द वस्तुतः शब्द का मूल रूप होता है तथा इसके और सार्थक खंड नहीं किए जा सकते। इनका एक निश्चित अर्थ होता है, जैसे– मेज़, कुरसी, मकान, पंखा, आम, केला, कमीज़ आदि। इन्हीं शब्दों को ही सामान्य मूल शब्द भी कहा जाता है।

(क) **सामान्य मूल शब्द**– रोटी, दाल, चावल, मेज़, कुरसी आदि

(ख) **रूढ़ मूल शब्द**– जब किसी सामान्य शब्द का प्रयोग अपने अर्थ से हटकर किसी अन्य व्यक्ति या वस्तु के लिए होने लगता है, तो वह शब्द दूसरे अर्थ में रूढ़ हो जाता है। उदाहरण के लिए 'गधा' शब्द का मूल अर्थ है–एक जानवर जिसपर धोबी कपड़े ले जाता है, परंतु जब हम किसी व्यक्ति से कहते हैं कि 'तुम तो गधे हो', तो यहाँ गधा शब्द 'मूर्ख' अर्थ के लिए रूढ़ हो गया है। इसी तरह के अन्य उदाहरण देखे जा सकते हैं–

सोचकर बताइए

(*i*) यदि तत्सम शब्दों का ही प्रयोग किया जाता, तो क्या हिंदी भाषा इतनी समृद्धशाली हो पाती ? यदि नहीं, तो कोई तीन कारण बताइए।

(*ii*) शब्द कैसे बनते हैं, इनकी उत्पत्ति कहाँ से हुई ? यदि शब्द नहीं होते, तो वाक्य नहीं बनता। सोचो, तब हम अपनी बात कैसे बताते ?

Scanned with CamScanner

शब्द	-	अर्थ	रूढ़ अर्थ	-	वाक्य
उल्लू	-	एक पक्षी	मूर्ख	-	मदन तो उल्लू है।
गाय	-	एक मादा पशु	सीधी	-	मीरा तो एकदम गाय है।

यौगिक शब्द– एक से अधिक इकाइयों से मिलकर बने शब्द यौगिक शब्द कहलाते हैं, यौगिक शब्द तीन प्रकार से बनते हैं, जैसे–

(क) मूलशब्द	+	मूलशब्द	–	घोड़ा	+	सवार	=	घुड़सवार
				रसोई	+	घर	=	रसोईघर
				प्रधान	+	मंत्री	=	प्रधानमंत्री
(ख) मूलशब्द	+	प्रत्यय	–	ईमान	+	दार	=	ईमानदार
				धन	+	वान	=	धनवान
				सुंदर	+	ता	=	सुंदरता
(ग) उपसर्ग	+	मूलशब्द	–	बे	+	ईमान	=	बेईमान
				अन	+	पढ़	=	अनपढ़
				सु	+	शील	=	सुशील

यौगिक शब्दों के अर्थ भी मूलशब्दों की तरह निश्चित होते हैं। इन्हीं को मूल यौगिक शब्द भी कहते हैं।

योगरूढ़ शब्द – सामान्य रूढ़ शब्दों की तरह जब कोई यौगिक शब्द अपने अर्थ से हटकर किसी अन्य अर्थ के लिए रूढ़ हो जाता है, तब उसे योगरूढ़ शब्द कहते हैं, जैसे–

					सामान्य अर्थ	**रूढ़ अर्थ**
घर	+	वाला	=		घर का मालिक	पति
अ	+	क्षर	=		जिसका क्षर (नाश) न होता हो	वर्ण (Alphabets) शिव, ब्रह्मा, विष्णु
जल	+	ज	=		जल में जन्म लेने वाला, कमल	

अन्य उदाहरण हैं– लंबोदर, पीतांबर, गजानन, चारपाई आदि।

3. प्रयोग के आधार पर

1. **सामान्य शब्द :** सामान्य शब्द मूल शब्द ही हैं, जो प्रतिदिन प्रयोग में लाए जाते हैं, जैसे – आम, केला, रोटी, दाँत, चलना, फिरना, खाना, पीना, अच्छा, बुरा आदि।
2. **पूर्ण पारिभाषिक या तकनीकी शब्द :** ये शब्द किसी विषय विशेष से संबंधित होते हैं, जैसे – बैंक कार्यालय, विज्ञान, कानून आदि के क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाले शब्द। इन शब्दों के अर्थ आपको कोश में नहीं मिलेंगे। इनके अर्थ चूँकि परिभाषा देकर ही स्पष्ट हो सकते हैं, अतः इन्हें पारिभाषिक शब्द कहते हैं। कुछ उदाहरण देखिए –

Scanned with CamScanner

कार्यालय के क्षेत्र के शब्द : मिसिल, निर्देश, निवेश, विज्ञप्ति, अनुदान

बैंकिंग क्षेत्र के शब्द : ऋण, खाता, किश्त, नगद, भुगतान

कानून के क्षेत्र के शब्द : मुकदमा, खारिज, केस, कुड़की, सज़ा, गवाह, फरियादी

व्याकरण के क्षेत्र के शब्द : संज्ञा, विशेषण, अव्यय, पदबंध, उपवाक्य, पद

3. **अर्द्ध पारिभाषिक शब्द :** कुछ पारिभाषिक शब्द ऐसे भी होते हैं, जिनका प्रयोग अपने विषय क्षेत्र के अलावा सामान्य व्यवहार में भी किया जाता है। अपने विषय क्षेत्र में तो ये अपना निश्चित पारिभाषिक अर्थ बताते हैं, पर सामान्य व्यवहार में इनका प्रयोग थोड़े शिथिल रूप में होता है, जैसे – सामान्य बोलचाल की भाषा में गति, वेग और चाल तीनों शब्द 'Speed' के अर्थ में प्रयुक्त होते हैं, जबकि भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में तीनों शब्दों को एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त नहीं कर सकते। वहाँ इनके अर्थ सुनिश्चित हैं –

वेग – velocity

गति – speed

चाल – motion

4. व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर

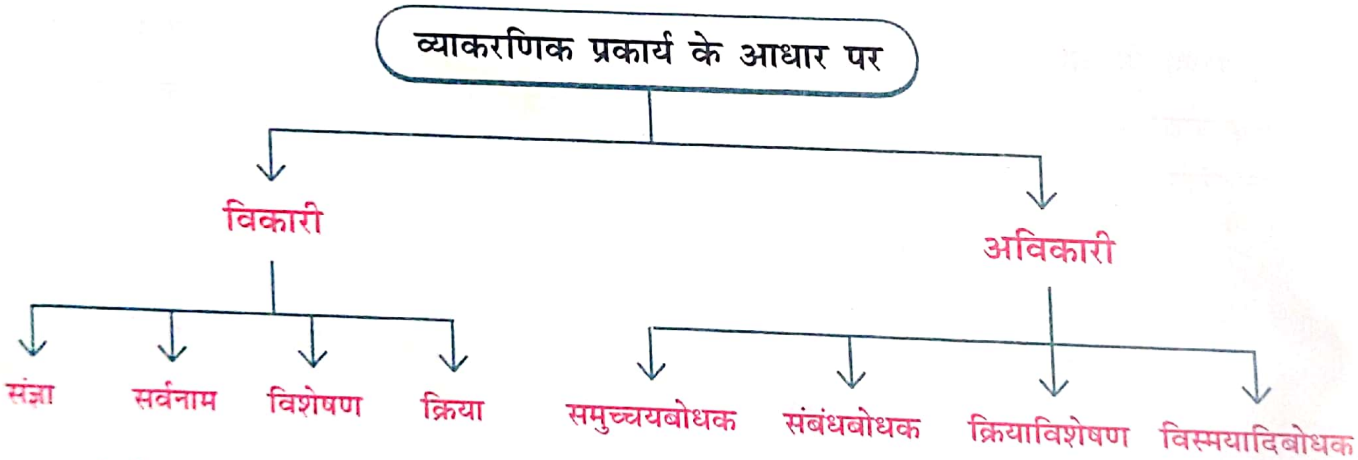

5. अर्थ के आधार पर

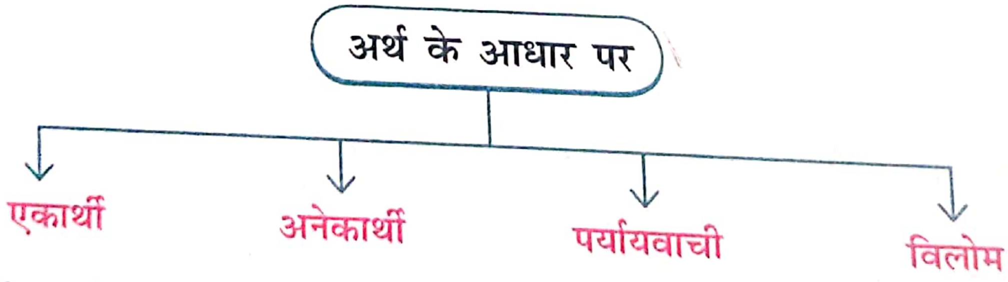

नोट– इनके विषय में अगले पाठों में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

Scanned with CamScanner

अध्याय संक्षेप

- **शब्द**–वर्णों का वह समूह, जिसका कोई अर्थ हो, शब्द कहलाता है अथवा वर्णों के व्यवस्थित समूह को शब्द कहते हैं।
- **पद**–जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है, तो पद कहलाता है।
- **तत्सम शब्द**–संस्कृत भाषा के वे शब्द, जो बिना किसी परिवर्तन के हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं।
- **तद्भव शब्द**–समय के साथ-साथ संस्कृत भाषा के वे शब्द, जो थोड़े-बहुत बदलकर हिंदी भाषा में प्रयोग में लाए गए, उन्हें तद्भव शब्द कहा जाता है।
- **देशज शब्द**–वे शब्द, जो देश में प्रचलित लोकभाषाओं व बोलियों के हैं, पर समय के साथ हिंदी भाषा में घुल-मिल गए हैं, देशज शब्द कहलाते हैं।
- **विदेशी शब्द**–वे शब्द, जो विदेशी भाषाओं, जैसे–अरबी, फ़ारसी, तुर्की, पुर्तगाली, अंग्रेज़ी, फ्रेंच, चीनी आदि के हैं, पर हिंदी भाषा में भी उनका प्रयोग हो रहा है, विदेशी शब्द कहलाते हैं।
- **रूढ़**–वे शब्द, जो अपने मूल रूप में वर्षों से एक ही अर्थ को देते आ रहे हैं, रूढ़ कहलाते हैं। इन शब्दों के टुकड़े नहीं हो सकते और यदि टुकड़े किए जाएँ, तो उनका कोई स्वतंत्र अर्थ नहीं होता।
- **यौगिक**–वे शब्द, जो दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दांशों के मेल से बनते हैं, यौगिक कहलाते हैं।
- **योगरूढ़**–दो शब्दों के योग से बने वे शब्द, जो किसी विशेष अर्थ के लिए रूढ़ हो गए हों, योगरूढ़ कहलाते हैं।

सम्मैटिव असेसमेंट

1. उचित विकल्प के आगे सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) पाठशाला

(i) यौगिक ◯ (ii) रूढ़ ◯ (iii) योगरूढ़ ◯ (iv) तत्सम ◯

(ख) सर्वनाम

(i) अविकारी ◯ (ii) विकारी ◯ (iii) विदेशी ◯ (iv) रूढ़ ◯

(ग) अखबार

(i) चीनी ◯ (ii) अंग्रेज़ी ◯ (iii) अरबी ◯ (iv) फ्रेंच ◯

(घ) भ्रमर

(i) तत्सम ◯ (ii) देशज ◯ (iii) तद्भव ◯ (iv) विदेशी ◯

Scanned with CamScanner

2. अनुपयुक्त शब्द के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) पंकज

(i) चारपाई ◯ (ii) नींद ◯ (iii) हिमालय ◯

(ख) रूढ़

(i) विदेशी ◯ (ii) यौगिक ◯ (iii) योगरूढ़ ◯

(ग) तत्सम

(i) देशज ◯ (ii) विकारी ◯ (iii) तद्भव ◯

(घ) संज्ञा

(i) क्रिया ◯ (ii) क्रियाविशेषण ◯ (iii) सर्वनाम ◯

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों से कीजिए-

(क) जो यौगिक शब्द विशेष अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें ____________ कहते हैं। (रूढ़, योगरूढ़)

(ख) विद्यालय ____________ शब्द है। (यौगिक, रूढ़)

(ग) विकारी शब्दों का रूप ____________ है। (बदलता, नहीं बदलता)

(घ) संस्कृत के वे शब्द, जिनका प्रयोग हिंदी में होता है, ____________ शब्द कहलाते हैं। (तद्भव, तत्सम)

(ङ) ____________ विकारी शब्द हैं। (पुस्तक, मोहन, और, गया, धीरे-धीरे, अब, वह, अच्छा)

4. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्दों को छाँटकर लिखिए-

मोती, नृत्य, कोकिल, ऊँट, भ्रमर गर्दभ, मक्षिका, कुपुत्र, कुत्ता, सिर, दुग्ध, ओंठ, पाद, भगिनी, आम

तद्भव शब्द		
________	________	________
________	________	________

5. निम्नलिखित शब्दों को पढ़कर सही शीर्षक के नीचे लिखिए-

शब्द		
वारि	नीलकंठ	पुस्तकालय
घोड़ा	जग	लंबोदर
पंकज	देवालय	कुपुत्र
विद्यार्थी	अवगुण	घर

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
________	________	________
________	________	________
________	________	________
________	________	________

Scanned with CamScanner

6. निम्नलिखित शब्दों के एक एक हिंदी पर्याय लिखिए-

(क) स्कूल ____________

(ख) खून ____________

(ग) अखबार ____________

(घ) शादी ____________

(ङ) यूनिवर्सिटी ____________

(च) मैनेजर ____________

7. शब्दों के भेद के अनुसार दिए गए उत्तरों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(क) बालक (विकारी/अविकारी) ____________

(ख) लीची (तुर्की/ चीनी) ____________

(ग) कुली (अंग्रेज़ी/तुर्की) ____________

(घ) दधि (तद्भव/तत्सम) ____________

(ङ) अमीर (अरबी/फ़ारसी) ____________

फॉरमैटिव असेसमेंट

वर्ग-पहेली

- अंतिम वर्ण से नया शब्द बनाकर शब्द-लड़ी पूरी कीजिए-

लड़की ________ ________ ________ ________ ________ ________ ________

- दिए गए वर्णों में उचित मात्रा लगाकर कुछ ऐसी चीज़ों के नाम लिखिए, जो आपके घर में हों-

ड़ क, प, ख, स, फ म, ज, ट, व, ल, न, ज

____

____

____

____

Scanned with CamScanner